



# ISWK SHARING KNOWLEDGE



## अनौपचारिक पत्र लेखन

- के.नीशाद फ़ैरोज़



पत्र लेखन भी एक कला है ..यही वह माध्यम है ,जिसके द्वारा व्यक्ति अपने स्वजन –परिजनों के बीच अपने हृदयगत भावों की अभिव्यक्ति करके संतोष प्राप्त करता है .....



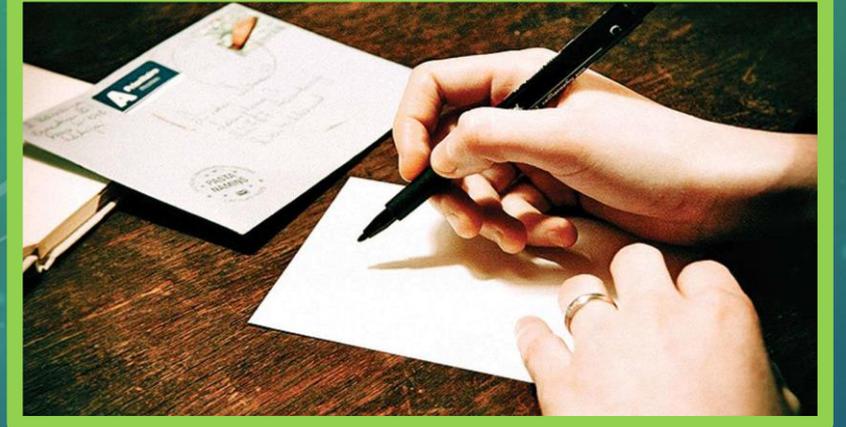


जो पत्र संबंधियों , मित्रों आदि को लिखे जाते हैं वे अनौपचारिक पत्र कहलाते हैं ... इन पत्रों में बिना संकोच अपने विचार प्रकट किए जाते हैं....इनमें बनावटीपन नहीं होता ...इन पत्रों में एक दूसरे के प्रति प्रेम ,स्नेह , क्रोध तथा उलाहना आदि के भाव अपनेपन के साथ प्रकट होते हैं .....





## पत्र की विशेषताएँ



1. **सरलता** – पत्र की भाषा सरल ,सीधी तथा स्वाभाविक होनी चाहिए ...
2. **स्पष्टता** – भाषा स्पष्ट होनी चाहिए ... अप्रचलित शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए ..
3. **संक्षिप्तता**- पत्रों में अनावश्यक विस्तार नहीं होना चाहिए ....
4. **आकर्षकता** – भाषा आकर्षक होनी चाहिए ..लिखते समय स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए ...
5. **मौलिकता** – घिसे –पिटे वाक्यों के प्रयोग से बचना चाहिए ...स्वयं के विषय में कम और प्राप्तकर्ता के विषय में अधिक लिखना चाहिए .....



## अनौपचारिक पत्र के प्रकार

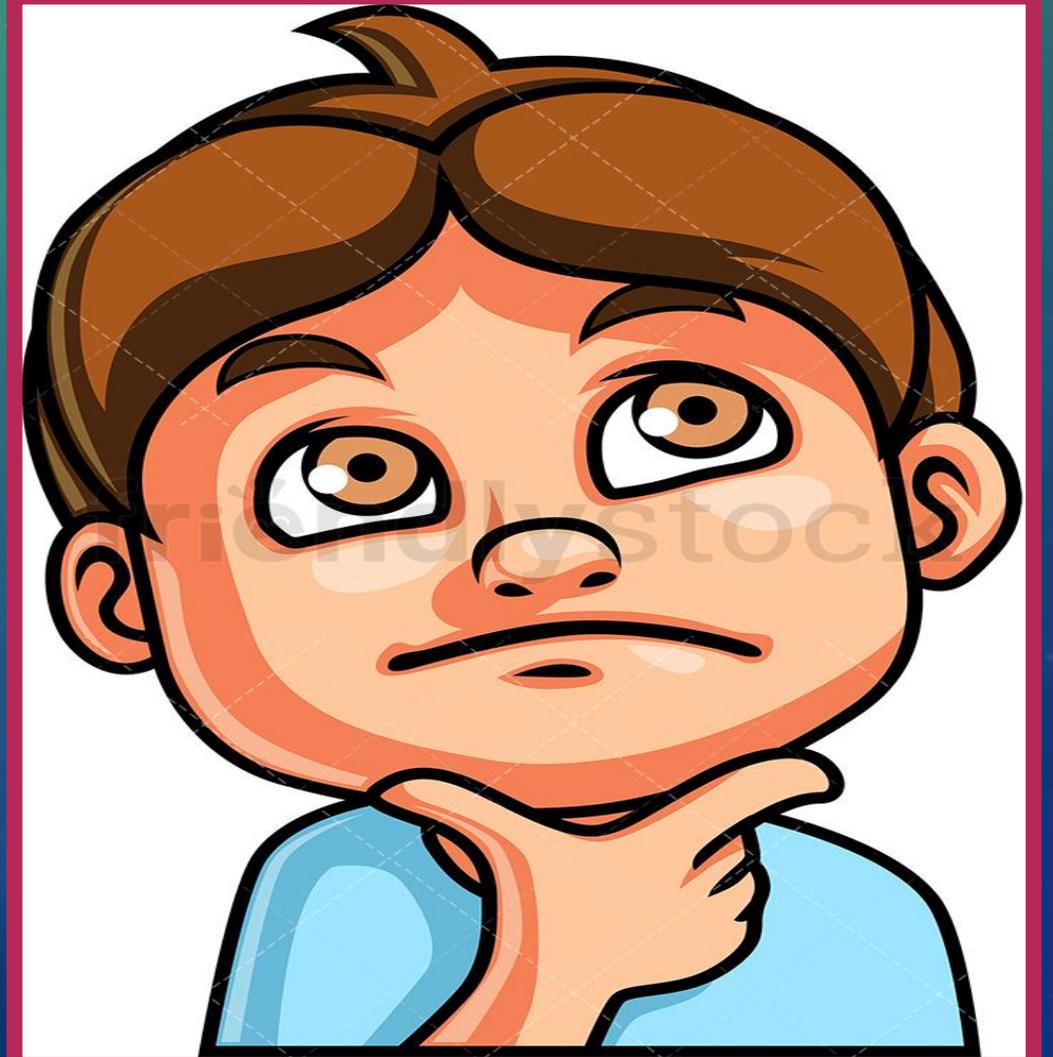
बधाई पत्र  
धन्यवाद पत्र  
शुभकामना पत्र  
निमंत्रण पत्र  
संवेदना पत्र





# पत्र का प्रारूप

- \*पत्र लिखनेवाले का पता
- \*दिनांक
- \*संबोधन
- \*अभिवादन
- \*विषय
- \*समापन
- \*अभिनिवेदन
- \*पत्र लिखनेवाले का नाम





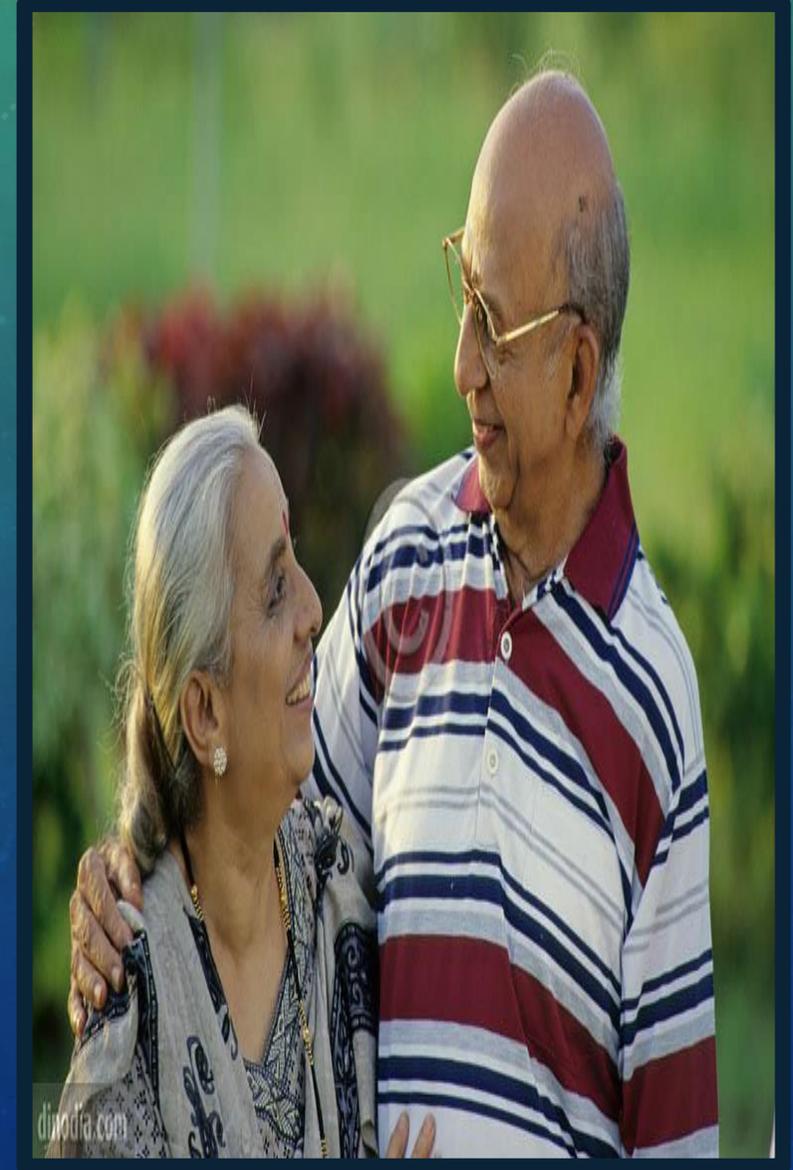
## अपने से बड़ों को

**संबंध** –दादी-दादा , नानी-नाना, मामी-मामा,  
माता-पिता, बुआ-फूफा, ताया-ताई आदि ..

**संबोधन** - पूज्य, पूजनीय , श्रद्धेय, आदरणीय  
(स्त्रीलिंग – पूज्या , पूजनीया , आदरणीया  
आदि )

**अभिवादन** – सादर प्रणाम, सादर नमस्कार ,  
चरण स्पर्श आदि.....

**अभिनिवेदन** – आपका आज्ञाकारी , आपका  
कृपापात्र , आपका पोता , आपका पुत्र ,  
आपका/आपकी - भांजा /भांजी , भतीजा /  
भतीजी आदि....



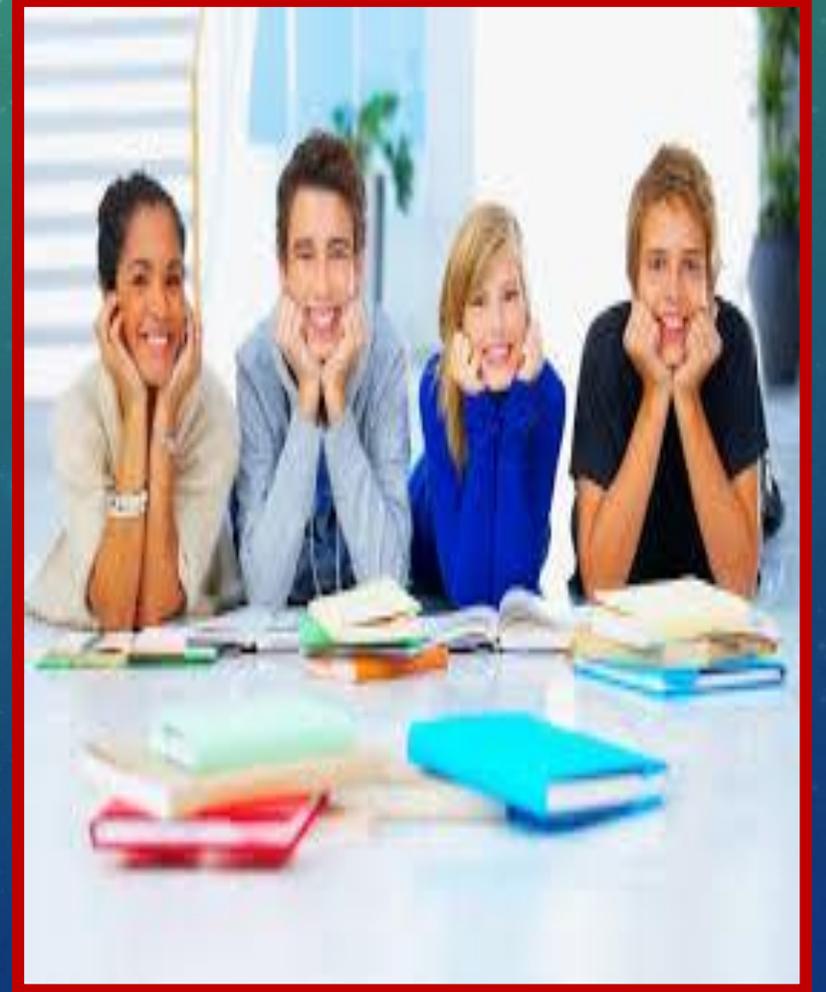


# बराबर वालों तथा मित्रों को पत्र

**संबोधन** – प्रिय मित्र , प्रिय  
सखी, प्रिय बंधु, प्रिय (नाम ) आदि..

**अभिवादन** – सप्रेम /सस्नेह नमस्ते,  
मधुर स्मृति आदि ...

**अभिनिवेदन** – तुम्हारा अभिन्न मित्र,  
तुम्हारा प्रिय दोस्त आदि.....









## गृह कार्य

स्थानान्तरण से परेशान अपने मित्र को पत्र लिखते हुए समझाइए कि परिवर्तन एक स्वाभाविक प्रक्रिया है ।



धन्यवाद  
घर में रहें, सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें ...